पद २९

(राग: हिंडोल - ताल: चौताल)

माणिका माणिका माणिका मदन मदहर मुखमकरंद मिलिंदायमान सुरमुनि मानसहंस ते विजय भो।।धु.।। (अंतरा)।। अचल अज अविनाश नित एक गुरु अवधूत सत ज्ञानघन मार्तण्ड चित अनुपम आनंद भो।।१।।